वर्तमान जीवन सरल नहीं है । दुनियादारी के भाग-दौड़ में मनुष्य अपनी संवेदना खो चुका है। संवेदना के अभाव में मानव आत्मकेंद्रित और अमानवीय व्यवहार करने लगा है । न केवल मानव जगत को , अपितु सकल चराचर जगत को सहानुभूति और सौहार्द्र की आवश्यकता है। इस कथा एवं काव्य संग्रह में इन्हीं भावनात्मक स्पर्शों से मानवीय मूल्यों को पुनर्जीवित करने का प्रयास किया गया है । इस संग्रह में कथा एवं काव्य दोनों संग्रहित हैं ,जो साहित्यिक रूपों की अपनी विशेषताओं से भ्रमित एवं व्यथित मानवता को संस्कारित करेंगी।

वकील कुमार यादव- सहायक प्रोफ़ेसर, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी बिहार, भारतीय उपन्यासकार एवं युवा लेखक,
राहुल मिश्रा - सहायक प्रोफ़ेसर, लेखक, संपादक, पीएचडी अंग्रेजी, महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय मोतिहारी बिहार
डॉक्टर दिनेश श्रीवास- सहायक प्राध्यापक (हिन्दी),शा. इं.व्ही.पी.जी. महाविद्यालय, कोरबा छत्तीसगढ़

PRINCIPAL,
GOVT. ENGINEER VISHWESARRAIYA
P. G. COLLEGE, KORBA (C. G.)

GOVT. E.V.P.G. COLLEGE ★ KORBA ★

Price Rs 249.00
ISBN 978-1-68509-055-5